शीतयुद्ध का उदय और पतन

M. A Sem- IV 2020

शीतयुद्ध एक प्रकार का मनोवैज्ञानिक अथवा कुटनीतिक युद्ध था जिसके माध्यम से एक गुट दूसरे गुट के प्रभाव क्षेत्र को सीमित करने का प्रयास कर रहा था। शीत युद्ध ~~के~~ ~~प्रारम्भ~~ के उदय को प्रेरित करने वाले कई कारक थे प्रथम अन्तरीक्षीय संघर्षों के संघर्ष की अनिवार्यता। इस संघर्ष में मान्यता यह है कि अन्तरिक्षीय संघर्षों के लम्बे इतिहास में शान्ति और सहयोग का काल सीमित रहा है जबकि संघर्ष का काल कहीं अधिक व्यापक रहा है। पुनः द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात एक राजनीतिक शून्य की स्थिति उत्पन्न हो गई, जिसे भरने के लिए सोवियत संघ एवं अमेरीका के बीच प्रतिस्पर्धा आरंभ हो गई। फिर द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात संयुक्त राज्य अमेरीका तथा सोवियत रूस अपनी सुरक्षा के प्रति अत्यधिक चिंतित एवं संवेदनशील हो गए थे। ताकि द्वितीय विश्व युद्ध के समय होने वाली घटना से बचा जा सके। एक दृष्टि से दोनों महाशक्तियों के बीच वैचारिक मतभेद ने इसे और गहरा बनाया, U S A के नेतृत्व में पूँजीवाद तथा सोवियत संघ के नेतृत्व में साम्यवादी विचारधारा को प्रक्षेपित करने की होड़ सी मची। आगे U.S.A तथा सोवियत संघ के बीच पारस्परिक अविश्वास ने इसे बढ़ावा दिया। रूस में बोल्शेविक क्रान्ति के

Scanned with CamScanner

ठीक बाद पूँजीवादी देशों द्वारा सोवियत रूस पर आक्रमण किया जाना; दूसरी तरफ सोवियत संघ के द्वारा हिटलर के साथ अनाक्रमण संधि किया जाना; इसके अतिरिक्त द्वितीय विश्वयुद्ध के मध्य भी कुछ मुद्दों पर पारस्परिक अविश्वास ने शीत युद्ध के उदय को अवश्यंभावी बना दिया।

शीत युद्ध के पतन के तमाम राजनीतिक आर्थिक एवं सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारण रहे। साथ ही विश्व व्यवस्था में कुछ ऐसी घटनाएं हुई, जिसने इसे पतन की ओर उन्मुख किया। नवंबर 1989 में बर्लिन की दिवार का टूटना एवं 1990 में जर्मनी का एकीकरण हो जाना। जुलाई 1990 में नाटो द्वारा शीतयुद्ध की समाप्ति की घोषणा 1991 में वारसा पैक्ट समाप्त आदि घटनाओं ने इसे कमजोर किया। पुनः पूर्वी यूरोप में साम्यवाद एक थोपी गई व्यवस्था थी तथा अति केन्द्रीकरण एवं दमनकारी शासन के विरुद्ध समय समय पर विद्रोह शुरू हो गया। फिर पूर्वी यूरोपीय देशों में आर्थिक पिछड़ापन, कम उत्पादन क्षमता एवं सीमित व्यापार नेतृत्व ने गरीबी को प्रोत्साहन दिया, साथ ही बहुजातियता, बहुधर्मी में तनाव, सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं का अभाव आदि जैसे कारकों ने इस युद्ध के पतन को अवश्य भावी बना दिया।

Scanned with CamScanner